भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 32
दिनांक 02 फरवरी, 2021 के लिए प्रश्न

तमिलनाडु में पी.एम.एम.एस.वाई. के अंतर्गत निवेश निधि

32. श्री के॰ नवासखनीः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) प्रधन मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.) जिसे विशेषकर रामानंथपुरम जिले में 20,000 करोड़ रुपये की निधि से शुरू किया गया था, के अन्तर्गत तमिलनाडु राज्य में कुल कितनी निधि का निवेश किया गया है;
(ख) सरकार द्वारा उक्त निधि से 5.5 मिलियन रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं और उक्त रोजगार के अवसर कितने समय में सृजित होंगे; और
(ग) कोविड-19 महामारी के चलते उक्त निधि् लम्बे समय सेलंबित एक लाख करोड़ रुपये के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने में किस हद तक सहायक है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(श्री प्रताप चन्द्र सारंगी)

(के) से (ग): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने "प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.)" नामक एक फ्लैगशिप योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य कोविड-19 संकट के दौरान आत्म निर्भर भारत राहत पैकेज के रूप में, भारत में मात्स्यिकी क्षेत्र का सतत और जिम्मेदार विकास के माध्यम से नीली क्रांति लाने की योजना है, जिस पर तमिलनाडु सहित सभी राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक 5 वर्षों की अवधि के दौरान इसके कार्यान्वयन के लिए मत्स्य पालन क्षेत्र में 20050 करोड़ रूपये का सबसे ज्यादा निवेश करने का अनुमान है । मत्स्य पालन मूल्य श्रेणी के साथ विविध गतिविधियों / हस्तक्षेपों की श्रृंखला के साथ पी.एम.एम.एस.वाई. का उद्देश्य मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देना, इसके विकास को उत्प्रेरित करना और इसे अगले स्तर तक ले जाना है। पी.एम.एम.एस.वाई. का लक्ष्य 2020-21 से 2024-25 तक पांच वर्षों की अवधि में कार्यान्वयन पर लगभग 55 लाख तक बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस योजना में गतिविधियों से मत्स्य निर्यात को बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपए

करने का लक्ष्य है। इनमें एक्वाकल्चर का क्षेत्र विस्तार, गहनता और विविधीकरण, एक्वाकल्चर उत्पादकता में सुधार, प्रौद्योगिकी इंफ्यूशन, रोग प्रबंधन, मत्स्य बंदरगाह और मत्स्य लैंडिंग केंद्रों सहित आधुनिक पोस्ट हार्वेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, गुणवत्ता और शेल्फ जीवन में सुधार के लिए सीमलेस कोल्ड चेन, मूल्यवर्धन, ट्रेसबिलिटी, ब्रांडिंग आदि शामिल हैं। पी.एम.एम.एस.वाई. के तहत 20050 करोड़ रुपये के निवेश में से, तमिलनाडु राज्य के लिए 1565 करोड़ रुपये के निवेश की परिकल्पना की गई है। तमिलनाडु सरकार ने बताया है कि पी.एम.एम.एस.वाई. के तहत, रामनाथपुरम को समुद्री और खारे पानी में मत्स्य पालन में इसकी क्षमता को देखते हुए संभावित जिलों में से एक माना गया है। समुद्री शैवाल की खेती, खुले समुद्री केज की खेती, सजावटी मत्स्य पालन, मत्स्य विपणन कियोस्क, पारंपरिक मछुआरों के लिए नाव और जाल इत्यिादी गतिविधियाँ राज्य सरकार द्वारा रामनाथपुरम जिले के लिए परिकल्पित की गई हैं।

*****